21 April 2022

International Relations

1. सऊदी दबाव में यमनी राष्ट्रपति अब्दराबुह हादी ने इस्तीफा दिया

चर्चा में क्यों?

- यमन के राष्ट्रपति अब्दराबुह मंसूर हादी ने सऊदी अरब के दबाव में पद छोड़ दिया और अब वास्तव में नजरबंद हैं।

प्रमुख बिंदु

- अब्दराबुह मंसूर हादी ने देश में 7 साल के युद्ध के बाद पद छोड़ दिया और अपनी शक्तियां नव निर्मित राष्ट्रपति परिषद को सौंप दी, जिसमें 8 राजनीतिक नेता शामिल हैं।
- सऊदी अरब की राजधानी रियाद में अंतर-यमनी परामर्श के बाद परिषद के गठन की घोषणा की गई, जहां सऊदी नेतृत्व ने यमन में शांति स्थापित करने के लिए हौथियों के साथ बातचीत शुरू करने के लिए परिषद को बुलाया, जो वर्षों से हिंसक संघर्ष से घिरा हुआ था।

यमन के बारे में तथ्य:

- यमन, आधिकारिक तौर पर यमन गणराज्य, अरब प्रायद्वीप के दक्षिणी छोर पर पश्चिमी एशिया में एक देश है।
- **राजधानी:** सना
- **मुद्रा:** येमेनी रियाल

स्रोत: बिजनेस स्टैंडर्ड

Important News: India

2. प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात में वैश्विक आयुष निवेश और नवाचार शिखर सम्मेलन का उद्घाटन किया

चर्चा में क्यों?

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 20 अप्रैल, 2022 को गुजरात के गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में **वैश्विक आयुष निवेश और नवाचार शिखर सम्मेलन** का उद्घाटन किया।
- इस अवसर पर मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ और विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के महानिदेशक डॉ टेड्रोस घेब्रेयसस उपस्थित थे।

प्रमुख बिंदु

- यह शिखर सम्मेलन निवेश क्षमता को उजागर करने में मदद करेगा, और नवोन्मेष, अनुसंधान और विकास, स्टार्ट-अप इकोसिस्टम और वेलनेस इंडस्ट्री को बढ़ावा देगा।
- प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर डिजिटल रूप से आयुष निर्यात संवर्धन परिषद का भी शुभारंभ किया।
- उन्होंने आयुष सूचना हब, आयुष नेक्स्ट, आयुसॉफ्ट आदि जैसी IT पहल भी शुरू कीं।
- उन्होंने भारतीय वीज़ा- आयुष वीज़ा के लिए एक नई श्रेणी बनाने की भी घोषणा की, ताकि विदेशी आयुष क्षेत्र में भारतीय विशेषज्ञता का लाभ उठा सकें।
- भारत एक विशेष आयुष मार्क भी बनाने जा रहा है। भारत में बने उच्चतम गुणवत्ता वाले आयुष उत्पादों पर ये मार्क लगाया जाएगा।
- FSSAI ने पिछले सप्ताह अपने नियमों में 'आयुष आहार' नाम की एक नई श्रेणी की भी घोषणा की है।

नोट:

- 2014 में आयुष सेक्टर 3 अरब डॉलर से भी कम था, जो अब 18 अरब डॉलर को पार कर गया है।

- रक्षा मंत्रालय ने आयुष मंत्रालय के साथ दो समझौता ज्ञापनों पर भी हस्ताक्षर किए हैं। इनमें पहला MoU 37 छावनी अस्पतालों में आयुर्वेद केंद्र शुरू करने के लिए है। वहीं, दूसरा समझौता ज्ञापन सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा (AFMS) के 12 सैन्य अस्पतालों में आयुर्वेद केंद्र शुरू करने के संबंध में है।

स्रोत: न्यूज़ऑनएयर

3. केंद्र सरकार ने निधि नियम, 2014 में संशोधन किया

चर्चा में क्यों?

- **कंपनी कार्य मंत्रालय** ने कहा कि केन्द्र सरकार ने आम जनता के हितों की रक्षा के लिए **निधि नियम, 2014** में संशोधन किया।

प्रमुख बिंदु

- कम्पनी कानून, 1956 के तहत, एक निधि या म्यूचुअल बेनेफिट सोसाइटी का अर्थ एक ऐसी कम्पनी है जिसे केन्द्र सरकार ने अधिसूचना द्वारा आधिकारिक राजपत्र में निधि या म्यूचुअल बेनिफिट सोसाइटी के रूप में घोषित किया है।
- कम्पनी कानून, 2013 के तहत, शुरू में किसी कम्पनी को निधि कम्पनी के रूप में कार्य करने के लिए केन्द्र सरकार से घोषणा प्राप्त करने की कोई आवश्यकता नहीं थी।
- ऐसी कम्पनियों को केवल निधि के रूप में शामिल करना आवश्यक होता था और निधि नियमावली के नियम 5 के उप-नियम (1) के तहत आवश्यकताएं पूरी करनी होती थीं, जैसे कि 200 की न्यूनतम सदस्यता, 10 लाख रुपये की शुद्ध स्वामित्व वाली निधि, NOF को 1:20 के अनुपात में जमा करना होता था और निधि नियम, 2014 के प्रारंभ होने के एक वर्ष के भीतर 10 प्रतिशत भार मुक्त जमा राशि नियत वाणिज्यिक बैंकों या डाकघरों में जमा करनी होती थी।
- कम्पनी कानून, 2013 में 15.08.2019 के संशोधन और निधि नियमों, 2014 में परिणामस्वरूप 15.08.2019 से हुए संशोधन के बाद निधियों के रूप में शामिल की गई कम्पनियों के लिए यह अनिवार्य था कि वे शामिल होने के 14 महीनों के भीतर घोषणा के लिए फॉर्म NDH-4 में केन्द्र सरकार को आवेदन करें, यदि उन्हें निधि (संशोधन) नियमों के 15.08.2019 से प्रभावी होने के बाद और निधि (संशोधन) नियमों के लागू होने के 09 महीने के भीतर, 2014 के बाद लेकिन 15.08.2019 से पहले निधि के रूप में शामिल किया जाता है।

नोट:

- कम्पनी कानून, 1956 के तहत लगभग 390 कम्पनियों को केवल निधि कम्पनी घोषित किया गया था।
- 2014-2019 के दौरान, दस हजार से अधिक कम्पनियों को शामिल किया गया।

स्रोत: PIB

4. गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम 1967

चर्चा में क्यों?

- आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर और सहयोगी सदस्य शेख सज्जाद को **गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम 1967** के तहत एक आतंकवादी के रूप में अधिसूचित किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- गृह मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा, शेख सज्जाद आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का समर्थन करने के लिए जम्मू-कश्मीर के युवाओं को सक्रिय रूप से कट्टरपंथी, प्रेरित और भर्ती कर रहा है और आतंकी फंडिंग में शामिल रहा है।

गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम 1967 के बारे में:

- यह भारत में गैरकानूनी गतिविधियों के संघों की रोकथाम के उद्देश्य से एक भारतीय कानून है।
- इसका मुख्य उद्देश्य भारत की अखंडता और संप्रभुता के खिलाफ निर्देशित गतिविधियों से निपटने के लिए शक्तियां उपलब्ध कराना था।
- कानून के सबसे हालिया संशोधन, **गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) संशोधन अधिनियम, 2019 (UAPA 2019)** ने केंद्र सरकार के लिए कानून की उचित प्रक्रिया के बिना व्यक्तियों को आतंकवादी के रूप में नामित करना संभव बना दिया है।
- UAPA को आतंकवाद विरोधी कानून के रूप में भी जाना जाता है।

स्रोत: न्यूज़ऑनएयर

International Relations

5. मुंबई में छठी स्कॉर्पीन पनडुब्बी 'INS वागशीर' को समुद्र में उतारा गया

चर्चा में क्यों?

- भारतीय नौसेना में यार्ड 11880, प्रोजेक्ट- 75 के तहत कलवरी श्रेणी से आने वाली पनडुब्बियों की छठी और आखिरी पनडुब्बी **'INS वागशीर'** का मझगांव डॉक लिमिटेड (MDL) के कन्होजी आंग्रे वेट बेसिन में जलावतरण किया गया।

प्रमुख बिंदु

- प्रोजेक्ट- 75 के अंतर्गत निर्मित पनडुब्बियों की पहली पनडुब्बी को दिसंबर 2017 में नौसेना में कमीशन किया गया था और वर्तमान में इस परियोजना की चार पनडुब्बियां (INS कलवरी, INS खंडेरी और INS करंज, और INS वेला) भारतीय नौसेना की सेवा में कार्यरत हैं।
- पांचवीं पनडुब्बी 'INS वागीर' समुद्री परीक्षण के साथ आगे बढ़ रही है और इस वर्ष इसकी डिलीवरी होने की संभावना है।
- श्रृंखला की छठी पनडुब्बी अब विभिन्न उपकरणों और उसके बंदरगाह परीक्षणों के लिए तैयार है।
- पनडुब्बियों का निर्माण मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (MDL) में नवल ग्रुप, फ्रांस के सहयोग से किया जा रहा है।

स्रोत: HT

6. रक्षा सचिव ने राष्ट्रीय स्तरीय प्रदूषण प्रतिक्रिया अभ्यास 'NATPOLREX-VIII' का उद्घाटन किया

चर्चा में क्यों?

- रक्षा सचिव डॉ अजय कुमार ने गोवा के मोरमुगाओ पत्तन पर भारतीय तटरक्षक बल (ICG) द्वारा आयोजित दो दिवसीय

(अप्रैल 19-20, 2022) **राष्ट्रीय स्तरीय प्रदूषण प्रतिक्रिया अभ्यास - 'NATPOLREX-VIII'** के 8वें संस्करण का उद्घाटन किया।

प्रमुख बिंदु

- इस कार्यक्रम में 50 एजेंसियों के 85 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें 22 मित्र देशों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के 29 पर्यवेक्षक और श्रीलंका और बांग्लादेश के दो तटरक्षक जहाज शामिल थे।
- NATPOLREX-VIII का उद्देश्य समुद्री रिसाव से निपटने में सभी हितधारकों की तैयारी और प्रतिक्रिया क्षमता को बढ़ाना है।
- इसका उद्देश्य SACEP समझौता ज्ञापन के अधीन राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर पर **राष्ट्रीय तेल रिसाव आपदा आकस्मिक योजना (NOSDCP)** में निहित प्रक्रियाओं और दिशानिर्देशों को लागू करना है, जिसमें भारत एक सदस्य राष्ट्र है।
- आज, भारतीय तटरक्षक बल इस क्षेत्र में उच्चतम स्तर के तेल रिसाव को संभालने में सक्षम है, जो कि 700 टन और उससे अधिक है।

नोट: NATPOLREX के अलावा ICG 18-29 अप्रैल, 2022 तक चेन्नई में हिंद महासागर परिधि संघ (IORA) के सदस्य राष्ट्रों सहित 18 देशों के 45 अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों के लिए समुद्री तेल प्रतिक्रिया और तैयारी में एक क्षमता निर्माण पेशेवर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित कर रहा है।

स्रोत : इंडिया टुडे

Enviornment and Ecology

7. वैज्ञानिकों ने केरल, बंगाल से ईल की नई प्रजातियों की खोज की

चर्चा में क्यों?

- भारतीय वैज्ञानिकों के एक समूह ने केरल और पश्चिम बंगाल में क्रमशः कलामुक्कू और दीघा मोहना मछली पकड़ने के बंदरगाहों से एकत्र किए गए नमूनों में से **ईल की एक नई प्रजाति** की खोज की है।

प्रमुख बिंदु

- नई खोजी गई ईल कांग्रिड ईल समूह से संबंधित है और इसे एरियोसोमा इंडिकम नाम दिया गया है।

- इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चर रिसर्च-नेशनल ब्यूरो ऑफ फिश जेनेटिक रिसोर्सेज (ICAR-NBFGR), लखनऊ और एस्टुरीन बायोलॉजी रीजनल सेंटर, जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, गोपालपुर-ऑन-सी, ओडिशा के वैज्ञानिकों ने एरियोसोमा इंडिकम को एक नई प्रजाति के रूप में पुष्टि की है।
- नई प्रजाति की कुल लंबाई 362 मिलीमीटर है।
- एरियोसोमा जीनस में 7 प्रजातियां हैं, जिनमें नई पहचान की गई ईल भी शामिल है, जिन्हें भारतीय जल में प्रलेखित किया गया है। विश्व स्तर पर, जीनस में 223 प्रजातियां हैं।

नोट: नई ईल प्रजाति को अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) की रेड लिस्ट द्वारा 'खतरे' या 'लुप्तप्राय' के रूप में सूचीबद्ध नहीं किया गया है।

स्रोत: DTE

Important Days

8. 21 अप्रैल, राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस

चर्चा में क्यों?

- राष्ट्रीय **सिविल सेवा दिवस** हर साल 21 अप्रैल को मनाया जाता है और लोक प्रशासन में उनके योगदान और कड़ी मेहनत के लिए भारत के सिविल सेवकों को समर्पित है।

प्रमुख बिंदु

- सिविल सेवा दिवस 2022 का **विषय** "विजन इंडिया@2047 - नागरिकों और सरकार को करीब लाना" है।
- पहला राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस वर्ष 2006 में मनाया गया था।
- भारत सरकार ने 21 अप्रैल को राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस के रूप में चुना क्योंकि इस दिन देश के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने 1947 में नव नियुक्त प्रशासनिक सेवा अधिकारियों को संबोधित किया था।
- ऐतिहासिक अवसर दिल्ली के मेटकाफ हाउस में हुआ था।
- सरदार पटेल ने सिविल सेवकों को 'स्टील फ्रेम ऑफ इंडिया' कहा था।